



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, १० जनवरी, १९९२/२० पौष, १९१३

हिमाचल प्रदेश सरकार

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-२, ३१ दिसम्बर, १९९१

संख्या एफ० डी० एस०-बी० (१५)-३/९१.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, इस विभाग की अधिसूचना संख्या एफ० डी० एस०-बी० (२) (१५)-१/८०, दिनांक अगस्त १, १९८९ की निरन्तरता में श्री राज कुमार राकेश, जिला खाद्य एवं आपूर्ति निरीक्षक को हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम में क्षेत्रीय प्रबन्धक के पद पर बने रहने हेतु दिनांक १७-८-१९९० से १६-८-१९९२ तक दो वर्ष प्रतिनियुक्ति समय बढ़ाने के लिये, इस विभाग के पत्र संख्या एफ० डी० एस०-बी० (२)-(१५)-१/८०, दिनांक सितम्बर २०, १९८९ में दी गई वर्तमान निबन्ध एवं शर्तों पर स्वीकृति सहर्ष प्रदान करते हैं।

शिमला-2, 31 दिसम्बर, 1991

संख्या एफ0डी0एस0-बी(2)(4)-11/77.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, इस विभाग की अधिसूचना सम-संख्या दिनांक 14 जनवरी, 1991 की निरन्तरता में श्री अर्जुन सिंह ठाकुर, जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियन्त्रक को हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम में क्षेत्रीय प्रबन्धक के पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि को बिना प्रतिनियुक्ति भत्ते के पाँचवें वर्ष (24-11-91 से 31-8-92) तक के लिए प्रतिनियुक्ति की अन्य वर्तमान शर्तों पर, बढ़ाने के सहर्ष आदेश करते हैं।

आदेश द्वारा,

कुमारी परमिन्दर हीरा,
आयुक्त एवं सचिव।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 1 जनवरी, 1992

संख्या एस0 टी0 बी0 (ई0 एन0 बी0) ए0 (10)1/91-II.—राज्य पर्यावरण संरक्षण परिषद् की 8वीं विशेष बैठक की कार्यवाही मद संख्या 7(ख) "हिमाचल में खनन कार्य में पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा" (घनियारा के स्लेट खनन) के समक्ष लिए गए निर्णयानुसार राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, मुख्य सचिव की अध्यक्षता में निम्नलिखित समिति का गठन करने का तत्काल सहर्ष आदेश देते हैं:—

1. मुख्य सचिव	अध्यक्ष
2. सचिव (पंचायत)	सदस्य
3. सचिव (उद्योग)	सदस्य
4. सचिव (वन)	सदस्य
5. सचिव (पर्यावरण)	संयोजक

उपरोक्त समिति जिना कांगड़ा के घनियारा एवं अन्य क्षेत्रों में स्लेट खनन कार्य की वैज्ञानिक रूप से चकाने के लिए विस्तृत रिपोर्ट राज्य पर्यावरण संरक्षण परिषद् को प्रस्तुत करेगी।

आदेश द्वारा,

ए0 के0 महापात्रा,
आयुक्त एवं सचिव।